

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित हरियाणा का हिन्दी दैनिक

सत्यजय टाईम्स

वर्ष-11, अंक-273 सोमवार 03 अक्टूबर, 2022, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद से प्रकाशित) प्रातःकालीन संस्करण हिन्दी दिनिक

RNI NO HARHIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjfaridabad@gmail.com @SatyajayT satyajaytimes

अग्रवाल कॉलेज में महात्मा गांधी को अर्पित की गई पुष्टांजलि

बल्लभगढ़, ०२ अक्टूबर,
मन्त्रजय टाईप/विजय चौहान।
अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में रखी गया
को राष्ट्रीयता भावाता गांधी की जयती
यह एनएसएस के स्कूलस्पर्सों ने उन्हें
पुण्यतिथि अर्पित कर नमन किया गया।
गांधी जी की १५३वीं जयती पर
मन्त्रजय अग्रवाल कॉलेज के प्राचीन शिक्षक
द्वारा कृष्ण कीतु गुरुत्व ने उन्हें श्रद्धालुपन
भेट कर झींहास में उनके अपम
बलिदान को याद किया और कहा
कि माया भारती की वेदियों से मुक्त
करने में गांधी जी के द्वारा चलाए
विभिन्न आदेशों का महत्वपूर्ण
योगान है और इसलिए महात्मा
गांधी जी की जय तिथि २ अक्टूबर
को आंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप
में मनाया जाता है।



त्रिलोक राज्य संसदीय विधान सभा

आज के युवाओं को उनके शास्ति और आवश्यकता के पाठ से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। तत्प्राणीत कॉलेज के वार्षिक प्रवक्तव्य व एन-एन-एस के स्वयंसेवकों ने गोपी जी की तस्वीर पर पुष्प आर्पित कर उन्हें नमन किया। इंटर्नेशनल विभाग अध्यक्ष डॉ.

जयपाल सिंह ने कहा कि भारत में पर्यावरणीय अटल थे।

एन-एन-एस इकाई-एक की कार्बोक्रम प्रधारी डॉ. सुरेण्या ढाना ने महात्मा गांधी जी का साक्षात् जीवन परिवर्तन और उनका धार्मके स्वतंत्रता संरक्षणमें महत्वपूर्ण योगदान प्रकाश किया। इस अवसर पर कौलिंज के विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों में निराला, डॉ. रमनद, डॉ. रेखा कुमारी, डॉ. पूजा सैनी, डॉ. जगवीर सिंह य योहित न गांधी को द्रष्टा सुमन अर्पित किए। स्वयंसेवकों ने महात्मा गांधी जिवाचार, गांधी अपन रहे के जीशिले नारों से वाहकरण को देशभक्तिमय कर दिया।

प्रतिक्रिया

एनएनएस के तत्वाधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को भेंट की गई पश्चांजलि

युवाओं को शांति व अहिंसा के पाठ से प्रेरणा लेने की जरूरतः कृष्ण कांत

સુરત પ્રદીપ કેરાવી

जननधारा। अवलम्बन महाविद्युतग्रन्थ संस्करण में चौथी को शुरूपात्मक वर्णन की जरूरी पर एक विवरण के सम्बन्धितों ने उनके पुस्तकालय अंतिम कर नाम निभा यात्रा थीं को 1530-में जारी हो गया अन्तिम विवरण के ज्ञातार्थ ई. कृष्ण कांति द्वारा ने उनके संस्करण में कर दिया है।

मेरे हाथों का अपार भवित्वालय की बात चिन्ह
और कहा जिस से यादी को खेड़ीना पड़ता
युक्त लगाने में यादी के द्वारा नवाचार
विविधन अधिकारियों का यादान्वयन
बोलाना है और प्रश्नोत्तर समाप्त करना
जो जब तिरिये 2 अक्षरों का
अंतर्गतपूर्ण अधिकार विवर के साथ
भी बदल जाता है।



जहां के युक्तियों को उनसे कहा और अद्वितीय के बाहर में प्रयत्ना लिये गए।

अधिकारक है) ताकि वह नवाचेषण के लिए जल्दी जल्दी उपचाय के नवाचेषणों ने मात्रात्व ग्रंथी की तरफ से या अप्रतिक्रिया कर उम्मीद बढ़ा दिया।

हिंदू विश्वासामध्ये दो जागतिक विषय ने काहा विश्वासामध्ये समाजात वर्त करने अनेक वर्तने प्रयत्नांची एवं प्रफलतांने देणे द्यावे. याची इतिहास वाचा ती और अन्यान्यांची प्रयत्नी ती के साथ वाचा ती. विश्वासामध्ये असल्यानंतर याची इतिहासातील अनेक वर्तने में वर्त वर्त नेतृत्व जाण वाचा ती असल्याची वाचा वापरांमध्ये विश्वासामध्ये देणे के बाबी इतिहास अटाण याची विश्वासामध्ये दुर्लभ-प्राप्त असल्याची

प्रत्यार्थी जीव मृगिव दाना ते मालारा
जावी का समाजा विवेचन और
दंडकार पात्र के सम्बोधना संघरण वे
महानाशुभ्र वीरांच वा दंडकार दाना
इस अवसरे पर वास्तविकालापन के
विवरणोंसह और स्टार्ट स्टार्टने में कामा-
टारंटर, लोहोंक मुख्य निष्ठन, रथवंश,
लोही खोली, कुमारी, दूरा जीवी, सुधार-
की, गोदावरी, रमेश व नीतिंशु ने मालारा
नामी को एक दम्भ विजय दिया।